पिता का साया

शुक्रिया थैंक्स और धन्यावाद जो भी बोलूं कम है पापा
माँ से तो कर लेती हूँ दिल की बाते पर आपसे न करने
का गम है पापा,
प्यार आपका सबु से ज्यादा, अहसान आपका रब से ज्यादा।
हिस्सा आपका सबसे कम और,
काम आपका सबसे ज्यादा।
ये कैसा हिसाब है, बिना मतलब तो फरिश्ते भी काम न आते॥
कभी न कहा जो, वो आज कहने दो,
हमेशा खुद सहते आए आज मुझे भी सहने दो।
खुद न देखा अपने लिए कभी कुछ लेते, हमे हमेशा कुछ न कुछ देते।
देखे दिन खराब बहुत पर कभी हमे भनक न लगने दी,
खाने को चाहे खुद कुछ न हो, पर हमे भूख कभी लगने न दी,
पापा में आपका शुक्रियादा करु या धन्यवाद ये मुझे समझ नही आता,
पर मैं रहना चाहती हूँ आपके साथ हमेशा, बस इतना कहना चाहती हूँ।
मैं हमेशा ऊपर वाले से दुआ करती हूँ की मैं आप जैसा बनना चाहती हूँ।
अपनो के तो छोड़ो आपने तो दुश्मनो के भी घर बसाए,
नाज़ है खुद पर कि मैं आपकी बेटी हूँ।
आपको भी कराऊँगी एक दिन नाज यह वचन मैं देती हूँ॥

महजबी
कक्षा-12वीं की छात्रा
जीआईसी गैरसैंण इंटर कॉलेज, उत्तराखंड